Faculty of Education
Class: M.A. II Sem (HINDI)
Paper I: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास-II
Code: HIN-201

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। मध्यकालीन साहित्य से संबंधित अवधारणाओं और उनके प्रति विभिन्न मतों का परिचय देना।

विषय आउट कम्स–

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान।

इतिहास– आलोचना और विचारकों की समझ विकसित होगी।

1. साहित्य और समाज में भक्ति पंथ के कवियों द्वारा निभाई गई भूमिका को समझना।
2. संत कबीर और उनके लेखन की प्रगतिशील प्रकृति का वर्णन करना।
3. सूरदास की कृष्ण लीला कविता का वर्णन उसके दर्शन से संबंधित करके जिंदगी।
4. भक्ति के दर्शन के साथ तुलसीदास की रामभक्ति कविता का वर्णन पंथ, अपनी कृष्ण भक्ति कविता के संदर्भ में मीरा की दृष्टि को समझना।
5. सामाजिक के संदर्भ में बिहारी के लेखन की सामग्री और कौशल का वर्णन करना, उनके काल की सांस्कृतिक स्थिति।
6. जीवन के दर्शन के साथ–साथ लेखकों की कविताओं का वर्णन करना, प्रसाद, निराला, महादेवी।
7. जीवन के अपने अनुभव के संदर्भ में उम्र की कविताओं का वर्णन।
8. प्रकृति के साथ–साथ नागार्जुन की प्रगतिशील भावना के साथ–साथ प्रकृति से प्यार करना।

पाठ्यक्रम –

इकाई – 1

व्याख्यांश सूरदास– भ्रमरगीत सार–संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100

तुलसीदास– राम चरित मानस–अयोध्या कांड, दोहा, क्रमांक 51 से 100

बिहारी– बिहारी रत्नाकार–संपादक जगन्नाथ रत्नाकार, दोहा क्रमांक 1 से 50 ।

इकाई –2

सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से सम्बन्धित निबन्धातमक प्रश्न

इकाई – 3

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

इकाई –4

द्रुतपाठ के कवि–नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से सम्बन्धित

लघुउत्तरीय प्रश्न

इकाई–5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.. सूर साहित्य – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. सूरदास – मुंशीरम शर्माजी ''सोम''

3. श्री रामचरित मानस – श्री विनायक टीका

4. बिहारी का नया मूलयांकन – डॉ बच्चन सिंह

5. रीतिकाव्य धारा – डॉ रामचन्द्र तिवारी

6. कृष्ण काव्य और सूर – डॉ प्रेमशंकर

7. घननाद – लल्लन राय

8. घननाद काव्य और आलोचना – डॉ किशोरीलाल

FACULTY OF EDUCATION
CLASS: M.A. II SEM (HINDI)
Paper II : आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास-II
Code: HIN -202

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य में आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास का विश्लेषण। विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान।

विषय आउट कम्स

हिन्दी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख लेखको ं और उनकी कृतियो ं की समझ विकसित होगी।

1. आधुनिक हिन्दी गद्य और इतिहास आदि के बारे में एक विचार प्राप्त करें।
2. स्वतंत्रता आन्दोलन को मजबूत करने के लिए प्रेमचंद की दृष्टि और उनकी चिंता को समझते हैं।
3. चित्रलेखा के माध्यम से भगवतीचरण वर्मा के विचारों को समझते हैं।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी बालकृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी और के जीवन इतिहास और साहित्यिक कार्यों का अध्ययन।
5. लघु कहानी उसकी परिभाषा महत्व अवधारणा विशेषताओं इतिहास आदि के बारे में एक विचार प्राप्त करने के लिए।
6. प्रख्यात हिन्दी लघुकथाकारों की अभिव्यक्ति की विषय–वस्तु और शैली में बदलाव को समझने के लिए उनकी कहानियों के माध्यम से।
7. जीवन के दर्शन के साथ–साथ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के साहित्यिक योगदान का वर्णन करें।

पाठ्यक्रम –

इकाई – I व्याख्यांश

1. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. निबन्ध–

(i) देश सेवा का महत्व– बालकृष्ण भट्ट

(ii) म्युनिसीपलेटी के कारनामें–महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) काव्य में लोकमंगल की साधनावसा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iv) अशोक के फूल–हजारीप्रसाद द्विवेदी

(v) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र

(vi) प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय

(vii) पगडण्डियों का जमाना–हरिशंकर परसाई

3. निर्धारित कहानियाँ

(i) उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

(ii) पूस की रात (प्रेमचंद)

(iii) गुण्डा (जयशंकर प्रसाद)

(iv) अपना अपना भाग्य (जैनेन्द्र कुमार)

(v) लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)

(vi) राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)

(vii) सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)

4. पथ के साथी –महोदवी वर्मा

इकाई –II

बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबन्ध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न

ईकाई –III

हिन्दी, कहानी, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओ ं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तान्त, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारो ं से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई –IV

लघुउत्तरीय प्रश्न–

द्रुतपाठ हेतु निर्धारित निम्न गद्यकारो ं पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

निबंधकार – भारतेन्दु हरिशचन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

कहानीकार– अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत

स्फुट ग्रंथ –1. अमृतराय (कलम का सिपाही); 2. शिवप्रसादसिंह उत्तर योगी; 3. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ); 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र); 5. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य देवता)

इकाई –V

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ विजमेंडर
2. भारतेन्दु हरीशचंद और हिन्दी नवजागरण – डॉ रामविला़स शर्मा
3. स्वत्रियोत्तर हिन्दी साहित्य – डॉ ल़क्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ रामकिशोर शर्मा
5. कथा साहित्य के सौ बरस – विभूति नारायण रॉय

Faculty of Education
Class: M.A. II Sem (HINDI)
Paper III : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र-II
Code:HIN -203

कोर्स आब्जेक्टिव–

भारतीय पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी। कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।

विषय आउट कम्स–

पाश्चात्य काव्यशस्त्र की समझ भाषा, कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है। इससे पाश्चात्य चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी।

1. पश्चिमी कविताओं को समझने के लिए।
2. प्लेटो अरस्तु डॉ.सैमुअल जैसे प्रख्यात पश्चिमी आलोचको के विभिन्न विचारों को समझने के लिए विलियम वर्डसवर्थ मैथ्यू अर्नाल्ड आई। रिचर्डस।
3. रोमांटिकतावाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववादी के पश्चिमी साहित्यिक रूझानों के बारे में जानने के लिए।

पाठ्यक्रम –

इकाई – I

प्लेटो : काव्य सिद्धांत

अरस्तु : अनुकरण – सिद्धान्त, त्रासदी– विवेचन,

विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – II

ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त

वडर्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज : कल्पना – सिद्धान्त और ललित–कला

इकाई – III

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ। संवेगो का

संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई–IV

सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई–V

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान,विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतवाद।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह
2. पाश्चात्य कवि शास्त्र – देवेन्द्रनाथ सिंह
3. नयी समीक्षा – नए संदर्भ
4. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा– निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास– तारकनाथ बाली
6. काव्य शास्त्र – डॉ. कृष्ण देव शर्मा
7. उदात्त के विषय में – निर्मला जैन
8. पाश्चात्य एवं भारतीय काव्य शास्त्र– डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

Faculty of Education
Class: M.A. II Sem (HINDI)
Paper IV: हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि -II
Code:HIN -204

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगो ं का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

विषय ऑब्जेक्टिव

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी। हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

1. सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक और के संदर्भ में आदिकाल और भक्तिकाल के साहित्य को समझते हैं। उन अवधियों की राजनीतिक स्थिति।
2. आदिकाल और भक्तिकाल के सभी प्रख्यात हिन्दी लेखकों की पहचान करना।
3. रीतिकाल नाम के आधार को समझते हैं, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त रीतिसिद्ध के नाम से जाना जाता है।
4. आधुनिक काल के संपूर्ण साहित्य और उसकी विशेषताओं को समझते हैं।
5. आधुनिक प्रख्यात हिन्दी लेखकों और उनके साहित्य की पहचान और विश्लेषण करने के लिए अध्ययन।
6. खड़ी बोलियों के विकास का विश्लेषण करने के लिए।

पाठ्यक्रम –

इकाई–I

आधुनिकता की अवधारणा, आधुनिक कल की सामाजिक, राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वर्ष 1857 ईस्वी का प्रथम स्वाधिनता संग्राम एवं पुर्नजागरण, हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, भारतेन्दु और उनका युग, भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता भारतेन्दु प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई–II

द्विवेदी युगः प्रमुख साहित्यिक रचनाएं हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा के मुख्य कवि, स्वछंदतावाद और उनके प्रमुख कवि, स्वछंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावाद, छायावादी काव्य प्रमुख साहित्यकार और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई–III

उत्तर छायावाद की विविध प्रवृत्तियां– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नयी कविताएं, नवगीत समकालीन कविता एवं जनवादी कविता– प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं, ज्ञानपीठ एवं साहित्य अकादमी से पुरस्कृत रचनाकार।

इकाई–IV

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं उपन्यास, नाटक कहानी निंबंध।

इकाई–V

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं– रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिर्पोताज डायरी।

हिन्दी आलोचना उद्भव और विकास।

अस्मितामूलक विमर्श– दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, समसामयिक विमर्श।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
2. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी रीति साहित्य – राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी स्वछंदतावादी काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य 20वीं शताब्दी – नन्द दुलारे वाजपेयी